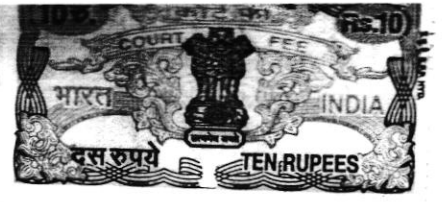


148



## समक्ष माननीय अध्यक्ष म०प्र० राजस्व मण्डल कैम्प भोपाल

प्रकरण क्र. निगरानी-

भगवान सिंह आ० श्री भेरूसिंह  
निवासी ग्राम बामान्याखेडी तहसील खिलचीपुर  
जिला राजगढ म.प्र.

365/PB/17-17

.....आवेदक

विरुद्ध

1. गोपालसिंह आ० श्री भेरूसिंह
2. मेहरबानसिंह आ० श्री गोपालसिंह  
निवासीगण ग्राम बामान्याखेडी तहसील खिलचीपुर  
जिला राजगढ म.प्र.

.....अनावेदकगण

म.प्र. भू राजस्व संहिता की धारा 50 के अन्तर्गत निगरानी

माननीय महोदय,

अपीलार्थी विद्वान अनुविभागीय अधिकारी तहसील खिलचीपुर-जीरापुर जिला राजगढ म०प्र० द्वारा उनके प्रकरण क्र. 89/अ-27/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 06/12/16 से असन्तुष्ट एवं दुःखी होकर यह अपील माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है।

### :: प्रकरण के तथ्य ::

संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि आवेदक द्वारा अधिनस्थ तहसील न्यायालय के समक्ष ग्राम बामान्याखेडी तहसील खिलचीपुर जिला राजगढ स्थित भूमि खसरा क्र० 69, 71 एवं खसरा क्र० 103 रकवा 1.174 हेक्टर भूमि के बटवारों बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। अधिनस्थ तहसील न्यायालय ने प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्रकरण क्र० 27/अ-27/11-12 में पारित आदेश दिनांक 30/06/12 के द्वारा उक्त भूमि का बटवारा करने के आदेश दिये। अधिनस्थ तहसील न्यायालय द्वारा पारित उक्त आदेश के विरुद्ध अनावेदकगण द्वारा अनुविभागीय अधिकारी महोदय के समक्ष अपील प्रस्तुत कि गयी। अनुविभागीय अधिकारी महोदय ने प्रकरण क्र० 89/अ-27-अपील/11-12 में पारित आदेश दिनांक 26/10/12 के द्वारा तहसील न्यायालय द्वारा की गयी बटवारों कि कार्यवाही को निरस्त करने के आदेश दिये। अनुविभागीय अधिकारी महोदय द्वारा पारित उक्त आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा माननीय अपर आयुक्त भोपाल सभाग भोपाल के समक्ष अपील प्रस्तुत कि गयी। परन्तु अनुविभागीय अधिकारी महोदय ने अपर आयुक्त महोदय द्वारा पारित एक अन्य प्रकरण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी नरसिंहगढ के प्रकरण क्र० 42/अ-70/2012-13 में कि गयी कार्यवाही के आधार पर प्रकरण दर्ज करते हुए आवेदक को सुनवाई का अवसर दिये विना ही राजस्व रिकार्ड को

दस्तावेज रखने का फर्त बताना पसन्द करने के आदेश दिये गये।

(R-365-882/17 राजगढ़)

25.7.2017

आवेदक की ओर से श्री  
पुष्प सिंह अभिभाषक ने उपरोक्त  
दोका आवेदन को प्रस्तुत कर  
निवेदन किया कि उक्त पत्र  
के मध्य समझौता हो जाने से  
के प्रकाश नहीं चक्रा चालते  
हैं। अनुदेय स्वीकार किया  
जाता है। प्रकाश नहीं चक्रा  
से समाप्त किया जाता है।

3  
25/7  
राजवाड़ा नि  
य. नि गोपा

*[Signature]*

*[Signature]*  
अध्यक्ष